जगदम्बा हमरे घर में पधार रही रे लिरिक्स

जगदम्बा हमरे घर में,
पधार रही रे।bd।

मोतियन चौक में द्वारे पुराऊं,
मल मल आसन सजाय दयों रे,
जगदम्बा हमरे घर मे,
पधार रही रे।bd।

गंगा जल से चरण पखारुं,
चरणन फूल चढ़ाए दइयों रे,
जगदम्बा हमरे घर मे,
पधार रही रे।bd।

कंचन थार कपूर की बाती,
मैया की आरती उतार दइयों रे,
जगदम्बा हमरे घर मे,
पधार रही रे।bd।

हलवा पूरी खीर बताशा,
मैया को भोग लगाएं दइयों रे,
जगदम्बा हमरे घर मे,
पधार रही रे।bd।

पान सुपाड़ी ध्वजा नारियल,
'राजेंद्र' भेंट चढ़ाए दइयों रे,
जगदम्बा हमरे घर मे,
पधार रही रे।bd।

जगदम्बा हमरे घर में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक / प्रेषक – राजेंद्र प्रसाद सोनी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com